3- सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान

Theoretical and Practical Knowledge

(1) सैद्धान्तिक ज्ञान Theoretical Knowledge →

औपचारिक परिवेश में व्यवस्थित तथा मान्य तथ्यों और सूचनाओं पर आधारित ज्ञान सैद्धान्तिक ज्ञान होता है। सैद्धान्तिक ज्ञान किसी प्रत्यय के सैद्धान्तिक पक्ष से सम्बन्धित होता है। यह दूसरों के अनुभवों का क्रमबद्ध संग्रह होता है। यह ज्ञान दूसरों की व्यक्तिगत खोजों, अनुसंधानों, अनुभवों तथा अवलोकनों का सामान्यीकरण होता है। यह ज्ञान किसी भी विषय के गहन अध्ययन हेतु आवश्यक माना जाता है। यह ज्ञान प्रायोगिक ज्ञान के लिए आधार का काम करता है। इस ज्ञान का सम्प्रेषण मॉडल या चार्ट, तुलना, शब्द या वाक्य सादृश्यता के आधार पर किया जाता है।

(2) प्रायोगिक ज्ञान Practical Knowledge →

सैद्धान्तिक ज्ञान का प्रयोगात्मक पहलू प्रायोगिक ज्ञान कहलाता है। हमारे दिन-प्रतिदिन के व्यवहारों को उपयोगी तथा कुशल बनाने के लिए प्रायोगिक ज्ञान आवश्यक होता है। किसी कार्य को करने के लिए अनिवार्य कौशलों और सूचनाओं का व्यावहारिक प्रयोग, प्रायोगिक ज्ञान कहलाता है। प्रायोगिक ज्ञान हमारे दिन-प्रतिदिन की समस्याओं के समाधान में सहायक होते हैं। यह ज्ञान काम करने वाले लोगों के लिए भी उपयोगी माने जाते हैं। इस प्रकार के ज्ञान को बहुत आसानी से सीखा जा सकता है। यह ज्ञान दूसरों से ज्ञान प्राप्त करने की अपेक्षा स्वयं करके सीखने पर अधिक बल देता है।

Scanned with CamScanner

प्रशिक्षण के माध्यम से प्रायोगिक ज्ञान को सरलता से सिखाया जा सकता है। प्रायोगिक ज्ञान आवश्यक भी है। क्योंकि यह प्राकृतिक रूप से सहज अधिगम करने का अवसर प्रदान करता है।

4 — विद्यालय एवं विद्यालय से बाहर ज्ञान प्राप्ति
School and out of school Knowledge

① विद्यालय के अन्दर ज्ञान प्राप्ति
Gain Knowledge in school

शिक्षा देने के लिए कई प्रकार की एजेन्सियाँ हैं जो अपने ढंग से शिक्षा देने का कार्य करती हैं। इन एजेन्सियों में विद्यालय, समुदाय, घर तथा समाज आदि हैं जिन्हें ज्ञान प्रदान करने की औपचारिक अनौपचारिक एवं निरौपचारिक संस्थाएं कहा जाता है।

② विद्यालय के बाहर ज्ञान प्राप्ति
Knowledge which gained out of school

विद्यालय के बाहर बच्चों को निम्नलिखित संस्थाओं से ज्ञान प्राप्त होता है, जैसे - घर में मिलने वाला ज्ञान, पास-पड़ोस से मिलने वाला ज्ञान, समुदाय तथा समाज से मिलने वाला ज्ञान, आदि घर में मिलने वाला ज्ञान सदियों से प्रचलित है। प्राचीन काल से ही ये ज्ञान के स्रोत हुआ करते थे।

पास-पड़ोस में भी बच्चे सामाजिक कौशल तथा नियन्त्रित व्यवहार करना सीखते हैं। पास-पड़ोस से सामूहिकता भी सीखते हैं। समाज से भी सामाजिक नियमों की जानकारी सीखते हैं।

Scanned with CamScanner

(5) प्रासंगिक (अवधारणायुक्त) व शाब्दिक ज्ञान
Contextual and Textual Knowledge

शाब्दिक ज्ञान साक्ष्यों पर आधारित ज्ञान होता है जब हम दूसरों के अनुभवों तथा निरीक्षण पर आधारित ज्ञान को मान्यता देते हैं तो इसे साक्ष्य कहा जाता है। साक्ष्य शाब्दिक होते हैं तथा दूसरों के निरीक्षण पर ही इन तथ्यों का ज्ञान मिलता है। उदाहरणार्थ यद्यपि हमको स्वयं बहुत-से स्थानों को नहीं देखा होता है तथापि जब दूसरे उसका वर्णन करते हैं तो उन स्थानों के अस्तित्व पर उसके द्वारा कहे शब्दों के आधार पर विश्वास करने लगते हैं।

प्रासंगिक (Contextual) ज्ञान अवधारणा पर आधारित होता है जो प्रत्यक्षीकरण द्वारा प्राप्त होती है। प्रत्यक्षीकरण चेतन मूल में अवधारणा उत्पन्न करते हैं तथा हमारा जो ज्ञान इन अवधारणाओं पर आधारित होता है उसे प्रामाणिक ज्ञान कहा जाता है। इन्द्रिय अनुभव द्वारा ज्ञान प्राप्त करने वाले अनुभववादी, तार्किक प्रत्यक्षवादी यथार्थवादी तथा विज्ञानवादी मुख्य रूप से मानते हैं। उदाहरणार्थ, जब किसी तथ्य पर आधारित शाब्दिक ज्ञान की सत्यता को परख निरीक्षण या प्रत्यक्षीकरण द्वारा करने पर हमेशा एक नई अवधारणा मिल जाती है, उसे प्रासंगिक ज्ञान कहते हैं।

Scanned with CamScanner

शिक्षा एवं संस्कृति के संबंध का वर्णन.

Relation between Education and culture.

संस्कृति का शिक्षा के साथ अत्यन्त घनिष्ठ सम्बंध है प्रत्यक समाज की शिक्षा - व्यवस्था का उस समाज की संस्कृति पर स्पष्ट प्रभाव होता है। शिक्षा व्यवस्था को आधार की आवश्यकताएँ होती है. इनकी पूर्ति शिक्षा द्वारा ही की जाती है। शिक्षा - व्यवस्था पर संस्कृति का प्रभाव पड़ता है।

शिक्षा और संस्कृति का बहुत ही घनिष्ठ सम्बन्ध होता है शिक्षा के साथ संस्कृति के मूल्यों की सुरक्षा की जाए तो शिक्षा जिवन निर्माण में उपयोगी बन सकती है संस्कृति शब्द संस्कृत भाषा की धातु 'कृ' (करना) से बना है इस धातु से तीन शब्द बनते है प्रकृति (मूल स्थिति), संस्कृति, परिष्कृत स्थिति और विकृति (अवनति) शिक्षा एवं संस्कृति के संबध को दो रूपो में व्यक्त किया जा सकता है।

① संस्कृति का शिक्षा पर प्रभाव
② शिक्षा का संस्कृति पर प्रभाव

संस्कृति का शिक्षा पर प्रभाव

① संस्कृति ~~द्वारा मनुष्य का~~ पर्यावरण से समायोजन।
② संस्कृति द्वारा व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास।
③ संस्कृति का शिक्षा व्यवस्था पर प्रभाव
④ संस्कृति शिक्षा के स्वरूप को निर्धारित करती है।
⑤ संस्कृति ही शिक्षा को सामग्री प्रदान करती है।

Scanned with CamScanner

शिक्षा का संस्कृति पर प्रभाव → शिक्षा संस्कृति को निम्न प्रकार से प्रभावित करती है—

(1) संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन।
(2) संस्कृति का रूपान्तरण।
(3) शिक्षा में संस्कृति का सुमावेश।
(4) व्यक्तित्व के विकास में सहायक।
(5) संस्कृति का विकास एवं विस्तार।
(6) शिक्षा सांस्कृतिक परिवर्तन में सहायता करती है

भारतीय संस्कृति भाषा, धर्म की विविधता लिये हुए दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है अतः सभी तथ्यों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि शिक्षा एवं संस्कृति संस्कृति एवं शिक्षा के बिना धनिष्ठ संबंध है एक दूसरे के बिना हमारे भारतीय समाज का सही समायोजन नहीं हो सकता है।

Scanned with CamScanner

भारतीय संस्कृति (बहुसांस्कृतिक)

Indian Culture (Multiculturalism)

भारत एक ऐसा देश है जहाँ बहुसांस्कृतिक भिन्नता पायी जाती है। यहाँ भिन्न-2 संस्कृतियों के लोग रहते हैं उनके रीति-रिवाज तथा परम्पराएँ भिन्न होते हैं। उसी आधार पर उनका खान-पान भी भिन्न होता है। एक ही विद्यालय तथा एक ही कक्षा-कक्ष में विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों के छात्र पढ़ने आते हैं। कुछ छात्र ग्रामीण क्षेत्रों के होते हैं तो कुछ छात्र शहरी क्षेत्रों के होते हैं। इन दोनों ही प्रकार के छात्रों की भाषा में भिन्नता पायी जाती है। उनके बोलने के लहजे, उच्चारण, वाक्यों में व्याकरण की शुद्धता, आदि में भी भिन्नता स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है। ग्रामीण क्षेत्रों के बालकों की भाषा में शिष्टता कम होती है उनकी भाषा में उनके सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश की छाप होती है। विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था पर सांस्कृतिक क्षेत्र का भी प्रभाव पड़ता है। विद्यालय तथा कक्षा-कक्ष की अन्तःक्रिया पर सांस्कृतिक क्षेत्र का भी प्रभाव पड़ता है। मानव विज्ञानवादियों के अनुसार भाषा, रीति-रिवाज एक सांस्कृतिक वस्तु है जिसे हम परम्परा से प्राप्त करते हैं। किसी भी सांस्कृतिक उपलब्धि के समान परम्परा से प्राप्त मातृ-भाषा अथवा जातीय भाषा का संरक्षण करना हम सबका कर्तव्य है।

Scanned with CamScanner